

19/1/26

पत्राण आज वाहीगण काय प्रस्तुत जाण
पत्रा के आधार पर तब करपेश हई।
वाहीगण काय निवेदन किया गया कि
उक्त प्रकरण में आपस में राजीनामा
हो गया है। दावा को चलाना नहीं
चाहती हूँ। एवं पत्रावली को विद्रो
किया जाना आवश्यक है।

इश्वा

अतः पत्राण राजीनामा
के आधार पर इसी स्तर पर खारिज
की जाती है। पत्राण असल शुमार
होकर टाखिल रहस्यर हो।



इ

g. 26

18/1/26

[Faint, mostly illegible handwritten text in the background, possibly bleed-through from the reverse side of the page.]